TARI model to gauge sectoral economic value

OUR BUREAU

New Delhi, May 29

In a bid to calculate the economic value of a particular sector over the years, research firm TARI (Thought Arbitrage Research Institute) on Wednesday shared its study with Assocham.

The study focussed on stakeholders approach – a comprehensive view of contributions of each stakeholder in the tobacco sector.

For the first time, four key aspects of economic value generation were taken into account – immediate effect on the economy, type 1 multiplier effect (direct and indirect linkages), type 2 multiplier effect (induced effect) and other multiplier economic effects.

"One of the important aspects of the study is that for the first time, the economic contribution made by the tobacco sector to India's economy has been quantified. The cascading effects of the socio-economic benefits of the tobacco industry on other sectors of the economy have been overlooked by the earlier studies," said Kshama V Kaushik, Director, TARI.

The Pioneer Page 10 30 May, 2019

TARI shares study with ASSOCHAM

PNS ■ NEW DELHI

TARI (Thought Arbitrage Research Institute) on Wednesday shared its study with ASSOCHAM, stating that as per an economic metric model it has measured the total cumulative intrinsic economic value generated by a sector over the years. This model is developed by combining financial reports, econometric and statistical methodologies.

Millennium Post Page 12 30 May, 2019

Tobacco sector major contributor to Indian economy, says Study

NEW DELHI: A recent study has shown that the tobacco sector is one of the highest contributors to the Indian economy with a total economic value generation of Rs 11,79,498 crore.

According to a study by the Thought Arbitrage Research Institute (TARI) shared with the industry body Assocham and released on Wednesday, "tobacco contributes a significant percentage of the total value of commercial crops in India, generating huge socio-economic benefits in terms of agricultural employment, farm incomes, revenue generation and foreign exchange earnings".

Around 4.57 crore people in India depend on the

tobacco sector for their livelihood which comprises 60 lakh farmers, two crore farm labourers, 40 lakh leaf pluckers, 85 lakh persons working in processing, manufacturing and exports and 72 lakh working in retailing and trading, said the report.

The evaluation was done through a new economic metric model unveiled by TARI to measure the total cumulative intrinsic economic value generated by a sector over the years.

"TARI today shared its study with Assocham, stating that as per an economic metric model it has measured the total cumulative intrinsic economic value generated by a sector over the years. This model is developed by combining financial reports, econometric and statistical methodologies," the institute said.

The study used a two-step approach to calculate the economic value generated by the tobacco sector in India. First, the total annual value generated by the tobacco sector in 2016-17 was computed. This was then extended to estimating the total cumulative value generated by the sector over the years to assess the overall contribution of the sector. IANS

भारत में 4.57 करोड़ लोग अपनी आजीविका के लिए तंबाकू सेक्टर पर निर्भर

नई दिल्ली, (वीअ)। तारी (थॉट आर्बिट्रेज रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने आज एसोचैम के साथ एक अध्ययन साझा किया। इसमें बताया गया कि एक इकोनॉमिक मेट्रिक मॉडल के आधार पर संस्थान ने विभिन्न वर्षों के दौरान किसी सेक्टर के वास्तविक संपूर्ण आर्थिक मूल्य का आकलन किया है। एसोचैम के साथ साझा किए गए तारी के अध्ययन के मुताबिक, इस मॉडल को विभिन्न वित्तीय रिपोर्टों, इकोनोमेट्रिक और सांख्यिकीय प्रक्रियाओं की मदद से तैयार किया गया है। इस मॉडल के आधार पर भारतीय तंबाकू क्षेत्र का बहुत बडा आंकडा मिलता है। इस सेक्टर का कुल वास्तविक आर्थिक मूल्य 11,79,498 करोड़ रुपये है। एसोचैम के मुताबिक, ठतंबाकू क्षेत्र को अध्ययन के विषय के रूप में चुना गया था क्योंकि यह सीधे खेत से लेकर स्थानीय व अंतरराष्ट्रीय बाजार तक फैला हुआ क्षेत्र है। इसकी पूरी वैल्यू चेन में इसकी खेती में लगे किसान से लेकर खेतीहर मजदूर व अन्य मजदूर, प्रोसेसिंग यूनिट, ट्रांसपोर्टर, कारोबारी, मैन्यूफैक्चरिंग इकाई, ब्रांड के मालिक से लेकर निर्यात तक सब शामिल है, जो इसे विशेष बनाता है।ठ अध्ययन को अंजाम देने वाली फर्म तारी की निदेशक क्षमा वी. कौशिक ने कहा, ठइस अध्ययन के महत्वपूर्ण घटकों में से एक यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पहली बार तंबाकू उद्योग के योगदान का आकलन किया गया है। यह आकलन करते समय इसकी वैल्यू चेन में आने वाले सभी वर्गों के लाभ को ध्यान में रखा गया। अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टर पर तंबाकू उद्योग के कारण पडने वाले व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर पहले के अध्ययनों में बातें सामने आई हैं। इसलिए इस अध्ययन में हमने इस सेक्टर के मांग व आपूर्ति दोनों पक्षों के सभी बाजार हिस्सेदारों को समझने के लिए इसका एक भाग बनकर आकलन किया। इसके बाद हमने सभी हिस्सेदार समूहों द्वारा निर्मित आर्थिक मूल्य की गणना करने के लिए प्रमाणित मेथडोलॉजी का प्रयोग किया और फिर पूरे सेक्टर के आर्थिक मूल्य का आकलन किया। भारत में तंबाकू सेक्टर के कुल आर्थिक मूल्य के आकलन के लिए इस अध्ययन में टू-स्टेप अप्रोच पर काम किया गया। पहले 2016-17 में इस सेक्टर के वार्षिक मूल्य की गणना की गई। इसके बाद इसे आधार बनाकर बीते वर्षों में इसके कुल मूल्य का आकलन किया गया और अर्थव्यवस्था में इसके कुल योगदान की गणना की गई। मल्टीप्लायर इफेक्ट की गणना में 1941 में नोबेल जीतने वाले प्रसिद्ध अर्थशास्त्री वासिली लियोंटिफ द्वारा विकसित आर्थिक सिद्धांत का प्रयोग किया गया। इस तकनीक में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था या विभिन्न क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं की अंतर्निर्भरता का आकलन किया जाता है। साथ ही विभिन्न सेक्टर, उद्योग व उत्पादों में अंतर्संबंध स्थापित किए जाते है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि भारत में करीब 4.57 करोड लोग आजीविका के लिए तंबाकू क्षेत्र पर निर्भर है। इनमें 60 लाख किसान, 2 करोड खेतीहर मजदूर, 40 लाख तंबाकू की पत्तियां तोडने वाले, प्रोसेसिंग, मैन्यूफैक्चरिंग व निर्यात में लगे 85 लाख कर्मचारी और रिटेल व ट्रेडिंग से जुडे.72 लाख लोग शामिल है। वेयरहाउसिंग, फ्लेवर व फ्रेगरेंस, पेपर, जूट, मेंथा, एरेका नट, परिवहन व फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड आदि जैसे उद्योगों से जुडे लोगों को अप्रत्यक्ष तौर पर तंबाकू सेक्टर से होने वाली कमाई और इसके प्रभाव का अध्ययन नहीं किया गया था।